सेवा में

आदरणीय महामहिम राष्ट्रपति श्रीमति प्रतिभा पाटिल

सादर वन्देमातरम

विषय :- शुभकामना संदेश हेतु

छत्तीसगढ़ अंचल की सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं स्वागनिष्ठ, कर्मठ, राष्ट्रनेत्री पूर्व सांसद, ममता मयी माँ मिनीमाता की स्मृति में उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर आधारित, एक स्मृति ग्रंथ प्रकाशित किया जा रहा है। ताकि उनके त्याग मय जीवन से आने वाली पीढ़ि प्रेरणा लेती रहे।

स्व. मिनी माता, छत्तीसगढ़ की धरती में खिली फूल थी। यहां की पीड़ा ने ही उन्हें जन्म दिया था। उनका ननिहाल इस अंचल के सम्पन्न कृषकों में से एक था। परन्तु प्रति वर्ष पड़ने वाली अकाल के काल उन्हें अपने प्राण-रक्षा के लिये घर द्वार छोड़कर असाम के चाय बागान जाना पड़ा। जहां वे वहां भी अपने प्राणों की रक्षा नहीं कर सके। मात्र एक छः वर्ष की बेटी को वे बच पाई। उसी छोटी अनाथ के रूप में जन्म ली छत्तीसगढ़ की ममता मयी मा मिनी माता, अनाथ एवं असहायों के कष्ट हरण करने के लिये।

उन्हें अपने बचपन में ही संस्कार मिला, उस समय के जो है स्वतंत्रता संग्राम से। वि देशी वस्त्रों का होली जला कर, छत्तीसगढ़ की बेटी असम की चाय बागान के श्रमिक परिवार में जन्म ले, आई छत्तीसगढ़ के उद्धारक संत सिरोमणी, सतनाम धर्म प्रवर्तक, गुरु घासीदास जी के वंशानुगत गुरु गोसाई अगमदास जी की धर्म पत्नी के रूप में। इस पंथ के गुरुजनों एवं उनके अनुयाइयों का इस अंचल के संस्कारित करने एवं यहां के स्वतंत्रता संग्राम में बहुत बड़ा योगदान है। शस्त्र क्रांति क्रांतियों से ले कर गांधी जी के अहिंसक सत्याग्रह इनके यहां संरक्षण पाते रहे। उनमें से एक है हल्बा गुरु, जेल की यात्रा किये कर

मैच खेल में देखना चाहते हैं। यह केसरिया रंग का क्या तुक है।
जिन्होंने निर्णायक पुरस्कार
खिलाफ शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए भारत को खिताब दिला दिया।

जैसी दानदेयी। इस सब का प्रभाव मिनीमाता पर पड़ा। मिनीमाता करुणा की मूर्ति थीं। वे गरीबों, असहायों के लिए ~~[illegible]~~ की
पालनपोषण में भी सम्पूर्ण मन से अपनी एक अलग पहचान बनायी थीं
मिनीमाता जी सन १९५२ से लेकर १९६२ तक लगभग दस
वर्षों तक संसद में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए ~~[illegible]~~ —
सर्वाधिक मतों से विजयी होती रहीं। उनके द्वारा प्रस्तावित "अस्पृश्यता निवारण" लोकसभा में सर्व सम्मत पास
हुआ। जिसके लिये तत्कालीन प्रधान मंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू एवं
तत्कालीन विधि मंत्री संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर ने
कानून बनाये जाने का आश्वासन दिये। उसी आधार पर अस्पृश्यता
निवारण का कानून बना। यह कानून युगान्तकारी सिद्ध हुआ जिसने
उन्हें सम्पूर्ण देश की नेत्री के रूप में परिकल्पित किया। वे अपने युग के महान नेताओं
के सर्वाधिक विश्वास पात्र थीं। देश के दलित पीड़ितों की मसीहा थीं। उनके -
हृदय में ममता की धारा सदा बहती रहती थी। चाहे जिस किसी भी जाति,
धर्म या देश का हो। देशी या विदेशी हो।
ऐसे महान विभूति के जीवन एवं उनके कार्यों को प्रकाशित कर
उनके ही पल्लवित फूलों को उनके ही चरणों में अर्पित कर रहे हैं। यही पवित्र
के लिये थोड़ा सा रूप मिल इसी कार्य के लिये हम आप के आशीर्वाद की आशा के
साथ निवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं।

पता:—
केयूर भूषण
पूर्व शिक्षक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी
३५० सुन्दर नगर रायपुर
छत्तीसगढ़

आदर सहित
केयूर भूषण
संकलनकर्ता
मिनीमाता स्मृति ग्रंथ

ओलंपिक, विश्व कप ... लिए 339 मैच खेल ... में देखना चाहते हैं। यह केसरिया रंग का क्या तुक है। ... जिन्हान जिणायक मुकाबले ... खिलाफ शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए ... भारत को खिताब दिला दिया।